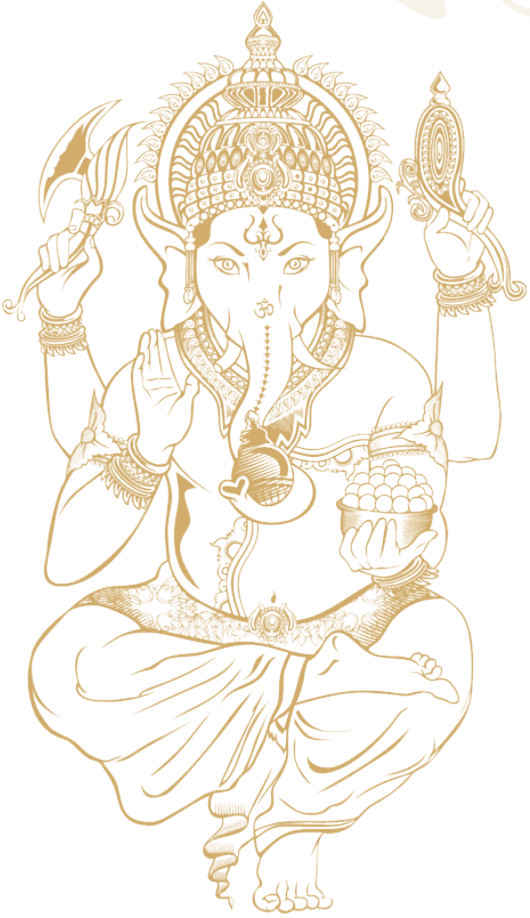

akul Prajapati roshanpur Pratap

14 Mar 2026

07:30 AM

Bijnor

Model: Baby-Horoscope

Order No: 121649601

तिथि 14/03/2026 **समय** 07:30:00 **वार** शनिवार **स्थान** Bijnor **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:30
अक्षांश 29:22:00 उत्तर **रेखांश** 78:09:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:17:24 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	18:39:26 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:09:13 घं	योनि	नकुल
सूर्योदय	06:28:54 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	18:24:50 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	मानव
शक संवत	1947	वर्ग	मूषक
मास	चैत्र	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	10	जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	पाया(रा.-न.)	ताम्र-ताम्र
योग	वरियान	होरा	गुरु
करण	विष्टि	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी		योगिनी	
सूर्य 4वर्ष 11मा 20दि		संकटा 6वर्ष 7मा 17दि	
सूर्य		संकटा	
14/03/2026		14/03/2026	
05/03/2031		30/10/2032	
	00/00/0000	संकटा	10/08/2026
	14/03/2026	मंगला	31/10/2026
मंगल	28/04/2026	पिंगला	11/04/2027
राहु	23/03/2027	धान्या	10/12/2027
गुरु	09/01/2028	भ्रामरी	30/10/2028
शनि	21/12/2028	भद्रिका	10/12/2029
बुध	27/10/2029	उल्का	11/04/2031
केतु	04/03/2030	सिद्धा	30/10/2032
शुक्र	05/03/2031		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:54:34	मीन	रेवती	1	बुध	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			29:16:15	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि	1.37	आत्मा	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			28:56:49	धनु	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	मंगल	सम राशि	1.27	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल		अ	14:49:32	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	सम राशि	1.12	ज्ञाति	भ्रातृ	क्षेम
बुध	व	अ	16:36:23	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	शुक्र	सम राशि	1.20	मातृ	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			20:52:36	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	1.34	भ्रातृ	धन	प्रत्यारि
शुक्र			15:15:48	मीन	उ०भाद्रपद	4	शनि	गुरु	उच्च राशि	1.28	पुत्र	कलत्र	साधक
शनि		अ	09:05:28	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	सम राशि	1.16	कलत्र	आयु	साधक
राहु			14:41:30	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	क्षेम
केतु			14:41:30	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

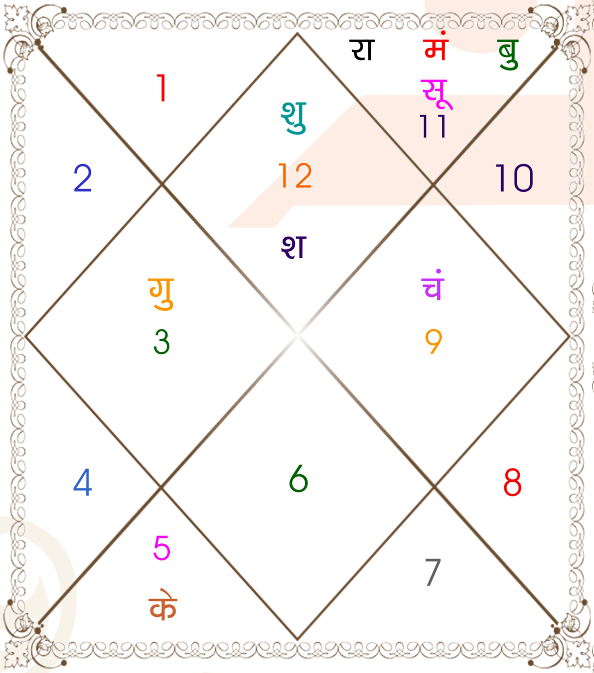

चन्द्र कुंडली

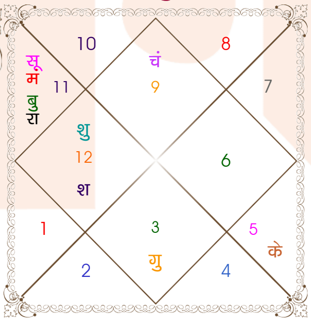

नवमांश कुंडली

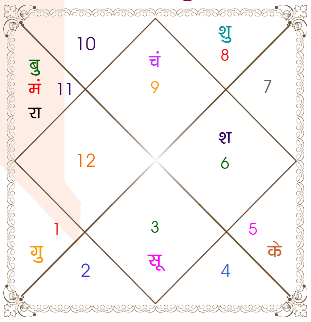

सर्वाष्टकवर्ग

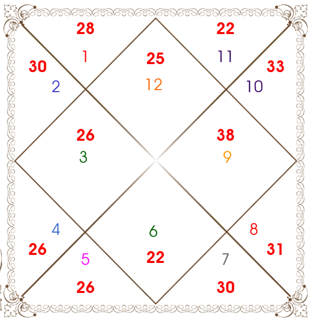

दशमांश कुंडली

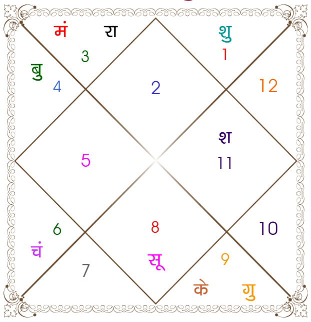

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर
8510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में उत्पन्न हुई हें। अतः आपकी जन्मराशि धनु तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्रानुसार आपकी योनि नकुल, वर्ण क्षत्रिय, गण मनुष्य, वर्ग मूषक तथा नाड़ी अन्त्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रथम अक्षर "भे" या "भै" से प्रारम्भ होगा।

समाज में आप सर्वमान्य महिला होंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। क्रोध गुणों का आप में अभाव रहेगा तथा सात्विक गुणों से सर्वथा सुसम्पन्न रहेंगी एवं शान्त चित से अपने अधिकांश सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी। आप विविध प्रकार के भौतिक सुखों से युक्त रहकर जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। धन दौलत का आपके पास कभी भी अभाव नहीं रहेगा। तथा प्रायः आप इससे सुसम्पन्न ही रहेगी। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न शास्त्रों की अच्छी ज्ञाता होंगी। एवं कई प्रकार के कार्यो को करने में भी दक्ष रहेंगी। अतः समाज में आप एक विदुषी के रूप में ख्याति प्राप्त कर सकेंगी।

मान्यः शान्तगुणः सुखी च धनवान् विश्वर्क्षजः पंडितः।।
जातकपरिजातः

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक सम्माननीय सात्विक गुणों से युक्त, सुखी, धनवान तथा पंडित होता है।

आपका स्वभाव अत्यन्त ही विनयशील रहेगा तथा लोग आपकी विनम्रता से हमेशा प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में गहन निष्ठा का भाव रहेगा। तथा धार्मिक क्रियाओं के प्रति हमेशा रूचिशील तथा प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही आपकी मित्रता का क्षेत्र भी विस्तृत रहेगा तथा मित्रों की संख्या भी अधिक रहेगी जिनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान की प्राप्ति भी होगी। आप में कृतज्ञता का सदगुण भी विद्यमान रहेगा। तथा समाज में अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर आप उपकार स्वीकार करेंगी तथा साथ ही हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में सभी वर्गो में आपका समान स्नेह रहेगा तथा सबको सहयोग एवं मदद करने में हमेशा तत्पर रहेंगी। अतः सभी वर्गो के मध्य आपको सम्मान तथा लोकप्रियता प्राप्त होगी।

वैश्वे विनीत धार्मिक बहुमित्रकृतज्ञसुभगश्च।।
वृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य विनयशील, धार्मिक, बहुत मित्रों वाला कृतज्ञ तथा सर्वजनों में लोकप्रिय होता है।

आप शरीर से स्थूल भी होंगी तथा कद भी सामान्य रहेगा। इसके साथ ही आप एक साहस एवं वीरता के गुणों से भी सम्पन्न रहेंगी। कलह या विवाद आदि में शत्रुओं

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर
8510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

पर विजय प्राप्त करने में आप हमेशा सफल रहेंगी।

बहुमित्रो महाकायो जायते विनीतः सुखी।
उत्तराषाढ़सम्भूतः शूरश्च विजयी भवेत्।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में पैदा हुआ जातक अधिक मित्रों वाला, विशाल शरीराकृति से युक्त, विनयी, सुखी, शूरवीर और सर्वत्र विजय प्राप्त करता है।

आपके हृदय में प्रारम्भ से ही दानशीलता का भाव विद्यमान रहेगा। तथा आप अपने जीवन काल में इस प्रवृति का पालन करने के लिए सदैव रूचिशील एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आपके हृदय में दया तथा करूणा का भाव भी विद्यमान रहेगा। तथा समय समय पर दीन दुःखियों तथा जरूरतमन्द लोगों के प्रति आप इस भावना का पालन करती रहेंगी। आपके सभी कार्य अच्छे होंगे। जिससे अन्य लोगों को भी लाभ होगा। समाज में आप प्रभुता से सुसम्पन्न रहेंगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको हार्दिक आदर तथा मान सम्मान भी प्रदान करेंगे। पति एवं पुत्र का आप पूर्ण सुख अपने जीवन में प्राप्त करेंगी। साथ ही आपका शारीरिक सौन्दर्य भी दर्शनीय रहेगा। परन्तु कभी कभी आप अपनी अभिमानी प्रवृति का समाज में प्रदर्शन भी करेंगी।

दाता दयावान विजयी विनीतः सत्कर्मकर्ता विभुता समेतः।
कान्तासुतावाप्त सुखो नितान्तं वैश्वे सुवेषः पुरुषोऽभिमानी।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक दानी, दयालु, विजयी, विनयशील, सत्कार्यकर्ता, प्रभुत्व सम्पन्न, स्त्री और सन्तान से सुखी, अच्छे स्वरूप वाला तथा अभिमानी होता है।

आप ताम्र पाद में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप राज्य या सरकार से नित्य धनलाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा समाज में दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। साथ ही आप सन्तोषी स्वभाव से भी युक्त रहेंगी। आपका आचरण श्रेष्ठ रहेगा। अतः सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। जीवन में विविध प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा सुखपूर्वक जीवन में इनका उपभोग करेंगी। माता पिता के प्रति आप पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी तथा उनसे भी आपको पर्याप्त धन सम्पत्ति प्राप्त होगी ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा विदुषी के रूप में आपका सम्मान होता रहेगा। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगी तथा वाहन एवं भूमि आदि जायदाद से भी सुसम्पन्न रहेंगी। धर्म के प्रति आपकी निष्ठा रहेगी तथा स्वभाव में साहस का समावेश रहेगा। आप परोपकार संबंधी कार्यों में भी में तत्पर रहेंगी तथा सज्जन पुरूषों का नित्य आदर करेंगी। इसके अतिरिक्त दानशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगी।

धनु राशि में पैदा होने के कारण आपकी मुखाकृति तथा कण्ठभाग दीर्घकार रहेंगे। साथ ही ओंठ, दांत तथा कानों में भी सुन्दरता रहेगी। आपकी भुजाएं मांसल तथा पुष्टता से युक्त रहेंगी। पिता से प्राप्त धन के द्वारा आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा जीवन में सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। आपके मन में दानशीलता की भावना भी रहेगी। जिसका समय समय आप पर यथाशक्ति पालन करती रहेंगी। आपकी रूचि लेखन कार्यो में भी रहेगी तथा कविता सृजन में आप सफलता एवं ख्याति को प्राप्त करेंगी। आपका शारीरिक बल अच्छा रहेगा। अतः शरीर में बलाभाव नहीं रहेगा। जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। भाषण देने की कला में आप निपुण रहेंगी। तथा अपने भाषणों के द्वारा सभी जनों को प्रभावित करके उनसे उचित मान सम्मान प्राप्त करेंगी साथ ही नाना प्रकार के कार्यो को सम्पन्न करने की भी आपमें योग्यता रहेगी। चित्रकला के प्रति भी आपका रूझान रहेगा। तथा इस क्षेत्र में आशातीत प्रसिद्धि एवं सफलता को प्राप्त करने में भी आप सक्षम सिद्ध हो सकती हैं। आपका स्वभाव गम्भीरता से युक्त रहेगा। अतः आपके सभी कार्य गम्भीरता पूर्वक ही सम्पन्न होंगे। आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी। तथा धर्म के विषय में आप पर्याप्त मात्रा में ज्ञानार्जन करेंगी। अपने भाईयों से आपके सबंध सामान्य रहेंगे। साथ ही आप समानता के व्यवहार से ही वश में रहेंगी।

व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान्।
वक्ता स्थूलदरश्वाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित्।।
कुब्जांसः कुनखी समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योऽश्वजः।।
वृहज्जातकम्

आपकी आँखे गोलाकृति लिए सुन्दरता से युक्त रहेंगी तथा हाथ एवं कन्धों की लम्बाई भी अधिक होगी। आपका वक्षस्थल विशाल तथा विस्तृत रहेगा। आयु के साथ साथ आपकी कमर में झुकाव भी आ सकता है। पानी के समीप निवास करना या घूमना आपको अच्छा लगेगा। अतः ऐसे अवसरों को प्राप्त करने के लिए आप प्रायः प्रयत्नशील रहेंगी। कठिन से कठिन विषय को सुगमता पूर्वक हृदयगंम करने में आप पूर्ण रूपेण सफल रहेंगी। आप प्रायः मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी। आपके शरीर की हड्डियां भी पुष्टता को प्राप्त होंगी। साथ ही समाज में अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर आप हृदय से उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा उनके प्रति आभार प्रकट करेंगी। अपने इस कृतज्ञता के भाव से आप सभी लोगों से मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

कुब्जाङ्गो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः।।
शूरोदृष्टोऽस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहतांघ्रि प्रगल्भः।।
सारावली

आप एक उद्यमी महिला होंगी तथा हमेशा किसी न किसी कार्य को करने में

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर
8510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

तत्पर रहेंगी। बोलने में आप अत्यन्त ही चतुर रहेंगी तथा इसी वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगी। आप त्याग की भावना से भी युक्त रहेंगी। एवं अवसरानुकूल इस प्रवृति का पालन भी करेंगी। आपका शारीरिक कद भी मध्यम रहेगा। तथा मन में साहस तथा विनम्रता का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में आप सर्वदा सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आप उच्चाधिकार प्राप्त तथा धनाढ्य लोगों के मध्य लोकप्रिय रहेंगी। एवं उनसे पूर्ण आदर तथा सहयोग भी अर्जित करेंगी।

दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता साम्नैकसाध्योऽशिवभवो बलाढ्यः।।
फलदीपिका

विभिन्न प्रकार की कलाओं को सम्पन्न करने की योग्यता से भी आप युक्त रहेंगी। आपका स्वभाव विनम्र तथा सुशील रहेगा। एवं चरित्र से भी आप निर्मल रहेंगी। जिससे अन्य जन आपके प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित करेंगे। आप एक स्पष्ट वक्ता होंगी। तथा किसी भी बात को स्पष्ट कहने में विश्वास रखेंगी। आपकी इस स्पष्टवादिता से अन्यजन पूर्ण रूपेण आपसे प्रभावित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप व्यय को अत्यन्त सोच समझकर अपनी आय को मध्यनजर रखते हुए सम्पन्न करेंगी।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक्।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम्।।
जातकाभरणम्

आपके शरीर के सभी अंग सुन्दर तथा सुडौलता से युक्त रहेंगे। साथ ही परिवार तथा कुल में आपको श्रेष्ठता प्राप्त होगी। तथा समस्त परिवारिकजन आपको यथा योग्य स्नेह तथा आदर प्रदान करेंगे। इसके अतिरिकित चित्रकला तथा इन्जीनियरिंग में विशेष योग्यता अर्जित करके ख्याति भी प्राप्त कर सकेंगी।

सौम्याङ्गो रुचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्थे विधौ।।
जातक परिजातः

आप एक साहसी तथा निर्भय प्रकृति की महिला होंगी। तथा जीवन में हमेशा सत्य का पालन करने में तत्पर रहेंगी एवं इसको अपना प्रिय कर्तव्य समझेंगी। स्थिर कार्यों को करने में आप हमेशा रूचिशील रहेंगी तथा आपकी बुद्धि भी स्थिर ही रहेगी। आपके मन में चंचलता का प्राय अभाव ही रहेगा। साथ ही दूसरे लोंगो के प्रति आपके मन में स्नेह का भाव भी रहेगा। तथा किसी के प्रति अनावश्यक द्वेष का भाव आपके मन में नहीं रहेगा। आप एक सुयोग्य गुणवान एवं बुद्धिमान पुरूष को अपने जीवन साथी के रूप में प्राप्त करेंगी तथा आनन्द पूर्वक गृह सुख का उपभोग करेंगी। आपकी वाणी मधुर एवं प्रिय होगी। जिससे लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका शरीर भी स्थूलता से युक्त रहेगा।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः।
शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप सदगुणों से सम्पन्न होकर समाज में एक आदरणीय तथा लोकप्रिय महिला होंगी। धार्मिक प्रवृति की होने के कारण आपकी देवता, ब्राहमण तथा गुरूजनों के प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। सहनशीलता के भाव का आपमें सर्वदा अभाव रहेगा। फलतः आपको कई बार अनावश्यक परेशानी का भी सामना करना पड़ेगा।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः।
कुलपतिरूपचेता बन्धुर्वर्गैक पात्रः।।
बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी।
मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।।
जातक दीपिका

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी तथा धार्मिक कार्यकलापों को करने में हमेशा तत्पर रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में सेवा तथा श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा। परन्तु आप कभी कभी अन्य जनों के समक्ष अपनी अभिमानी प्रवृति का प्रदर्शन करेंगी। आपके मन में दया तथा करूणा का भाव भी विद्यमान रहेगा। तथा दीन दुःखियों एवं जरूरत मन्द लोगों को आप अपना सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आपको अनेक प्रकार की कलाओं का भी ज्ञान रहेगा। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगी। तथा परिश्रम पूर्वक इसको प्राप्त करेंगी। साथ ही एक विदुषी के रूप में भी समाज में आप ख्याति तथा सम्मान अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त आप का शरीर कान्ति तथा सौन्दर्य से युक्त रहेगा एवं अपने परिवार के अतिरिक्त कई लोगों को आप सुख प्रदान करने वाली होंगी।

समाज में आप पूर्ण रूप से मान सम्मान प्राप्त करेंगी तथा हमेशा ऐश्वर्य एवं वैभव से सुसम्पन्न रहेंगी। आपकी आँखे विशालता को प्राप्त रहेंगी तथा निशाने बाजी की कला में आप निपुण रहेंगी। आप शारीरिक सौन्दर्य से युक्त रहेंगी तथा सम्पूर्ण नगरवासियों को वश में करने में आप पूर्ण रूपेण सफल रहेंगी। अतः आप किसी शहर की गणमान्य महिला होंगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर
8510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com

नकुलयोनि में उत्पन्न होने के कारण आप में नैसर्गिक रूप से परोपकार की भावना विद्यमान रहेगी तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यों को आप चतुराई पूर्ण ढंग से सम्पन्न करेंगी। इससे आपको समाज में पूर्ण आदर तथा प्रसिद्धि प्राप्त होगी। विपुल धन से आप सम्पन्न रहेंगी तथा धनी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर प्राप्त होगा। साथ ही आप एक विदुषी होंगी तथा कई संस्थाओं की अध्यक्षा भी हो सकती हैं। आप अपने माता पिता की परमप्रिय रहेंगी तथा आपके मन में उनके प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा।

परोपकरणे दक्षो वित्तेश्वरविचक्षणः।
पितृमातृप्रियो नित्यं नरो नकुलयोनिजः।।
मानसागरी

अर्थात् नकुलयोनि में उत्पन्न जातस दक्षता के साथ दूसरों का उपकारी, धनियों में सबसे उत्तम और प्रधान तथा पिता-माता में सर्वदा प्रेम बनाए रखने वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति दशम भाव में है। अतः माता का आप पूर्ण स्नेह प्राप्त करेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। धन सम्पत्ति तथा अन्य आवश्यक सुख संसाधनों से वे युक्त रहेंगी तथा जीवन के आवश्यक कार्यों में आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आप आजीविका, व्यापार तथा यश प्राप्ति भी उन्हीं के सहयोग से अर्जित करने में सफल होंगी।

आप उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा भाव रखेंगी एवं समयानुसार उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा यदा कदा आपस में सैद्धान्तिक मतभेद होंगे किन्तु उससे आपके संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। आप भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा हर सम्भव उनका सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगी। इस प्रकार आप एक दूसरें के लिए सामान्य रूप से शुभ ही समझी जाएंगी।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वादश भाव में स्थित है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में हमेशा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी सहायता करते रहेंगे। साथ ही उनकी प्रवृति पुण्य एवं दान संबंधी कार्यों को करने की रहेगी अतः आपको भी वे पुण्य कार्यों की ओर प्रेरित करेंगे। साथ ही धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण आदर की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों से संबंधों में कटुता या तनाव उत्पन्न होगा परन्तु कुछ समय के बाद स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। जीवन में आप उनके सुख दुःख का भी ध्यान रखेंगी एवं समयानुसार उनको पूर्ण सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कोई कष्ट नहीं होने देंगी।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में है अतः भाई बहिनों का

स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा आपके प्रति उनके मन में सम्मान तथा स्नेह का भाव रहेगा। जीवन में उनसे आप पूर्ण रूप से आर्थिक तथा अन्य क्षेत्र में वांछित सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। साथ ही सुख दुःख में भी आपको उनसे पूर्ण सहानुभूति तथा वांछित सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति स्नेह एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा आपसी संबंध भी मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों के कारण संबंधों में कटुता या तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु यह कुछ समय तक रहेगी। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उन्हें अपनी ओर से पूर्ण सहायता प्रदान करती रहेंगी।

आपके लिए श्रावण मास, तृतीया अष्टमी, तथा त्रयोदशी तिथियां, भरणी नक्षत्र वज्र योग, तैतिलकरण,शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा वृषराशि का चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेगा। अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3,8,13 तिथियां भरणी नक्षत्र वज्ररोग एवं तैतिल करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ नवगृहनिर्माण या कय विकय आदि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार प्रथम प्रहर एवं वृष राशि के चन्द्रमा को भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वर्जित ही रखें। इसके साथ ही इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति भी विशेष सावधानी रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक परेशानी शारीरिक व्याकुलता व्यापार में हानि नौकरी या पदोन्नति में असफलता या अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए एवं मंगलवार तथा वृहस्पतिवार का उपवास करने चाहिए। साथ ही सोना, पुखराज, पीतवस्त्र, पीत पुष्प, पीली चन्दन, चने की दाल या हल्दी आदि पदार्थों का किसी सुयोग्य पात्र को श्रद्धापूर्वक दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र का किसी योग्य विद्वान के द्वारा कम से कम 1600 हजार जप सम्पन्न करवाने चाहिए। ऐसा करने से आपके समस्त अशुभ फल दूर होंगे। तथा शुभ फलों में वृद्धि होकर मानसिक चिन्ता भी समाप्त होगी।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर
8510924140,9690977419
rajatkaushik265@gmail.com